RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार, 03 दिसंबर 2022 वर्ष 04 अंक 196 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई में लागू धारा 144...!

दो जनवरी तक लागू रहेंगी कई पाबंदियां, पढ़ें पूरा आदेश...

मुंबई : मुंबई में धारा 144 लागू कर दी गई है। इसके तहत पूरी मुंबई में कई तरह के प्रतिबंध भी लागू कर दिए गए हैं। पांच या इससे अधिक लोगों के एक जगह पर इकट्ठे होने पर मनाही है। इसके अलावा सार्वजनिक सभा के प्रदर्शन पर भी रोक है। मुंबई पुलिस की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, पूरे राज्य में धारा 144 चार दिसंबर से दो जनवरी तक लागू रहेगी।

हथियारों के प्रदर्शन पर रोक

मुंबई पुलिस की ओर से जारी किए गए आदेश के मुताबिक, राज्य में चार दिसंबर से दो जनवरी तक हथियारों पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लागू रहेगा। साथ ही लाउडस्पीकर, बैंड व पटाखे जलाने पर भी पाबंदी रहेगी। पुलिस ने कहा है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। धारा 144 लागू होते ही विवाह समारोह, अंतिम संस्कार सभाओं, जुलूस, कंपनियों और क्लबों की बड़े पैमानों पर होने वाली बैठकों पर भी रोक लगा दी गई है।

शैक्षणिक गतिविधियों के लिए स्कूल, कॉलेज व अन्य संस्थानों में होने वाली बैठकों पर भी प्रतिबंध लागू किया गया है। कारखानों, दुकानों व अन्य प्रतिष्ठानों की सामान्य बैठकों के अलावा जुलूस के प्रदर्शन पर भी यह प्रतिबंध लागू रहेगा।

पूर्व मंत्री अनिल देशमुख को लगा जोरदार झटका!

बॉम्बे HC ने जमानत याचिका 6 दिसंबर तक टाली

मुंबई : महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और NCP नेता अनिल देशमुख कि मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। दरअसल बॉम्बे हाई कोर्ट ने आज उनके द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई आगामी 6 दिसंबर तक के लिए टाल दी है। आज उइकने देशमुख की जमानत याचिका का का विरोध किया है।

गौरतलब है कि इससे पहले बीते 29 नवंबर को, बॉम्बे हाई कोर्ट ने देशमुख की दायर जमानत याचिका पर सुनवाई आज यानी दो दिसंबर तक के लिए टाल दी थी। दरअसल मामले पर उइक ने कहा था कि सहायक सॉलिसिटर जनरल (ASG) अनिल सिंह का स्वास्थ्य खराब है। इसके चलते वह बीते मंगलवार को अदालत में मौजूद नहीं थे। इसलिए कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका स्थगित कर दी थी। जानकारी दें कि, महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री ने बीते 26 अक्टूबर को 100 करोड़ रुपये जबरन वसूली मामले के सिलसिले में जमानत के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया था। वहीं इससे पहले उइक की एक विशेष अदालत ने बीते 21 अक्टूबर को देशमुख की जमानत याचिका भी खारिज कर दी थी। दरअसल CBI ने अनिल देशमुख पर यह संगीन आरोप लगाया था कि, उन्होंने पुलिसकर्मियों को मुंबई में बार मालिकों से हर महीने अवैध रूप से अपने लिए 100 करोड़ रुपये इकट्ठा करने को कहा था। इस मामले पर सचिन वाजे का भी बयान दर्ज हुआ था। बता दें कि, देशमुख को एऊ ने बीते नवंबर 2021 में गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में भी हैं।

राबड़ी देवी की तरह महाराष्ट्र में रश्मि ठाकरे को लाने का प्लान?

उद्धव ने दिया महिला CM देने का बयान...!

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के जिला प्रमुखों की मीटिंग में उद्धव ठाकरे ने यह वादा किया कि भविष्य में वे महाराष्ट्र में महिला मुख्यमंत्री दे सकते हैं. इससे यह सवाल खड़ा होता है कि कहीं बिहार के तर्ज पर रश्मि ठाकरे की ताजपोशी की तैयारी तो नहीं है? इस संभावना को पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकता. हाल ही में आदित्य ठाकरे बिहार दौरे में तेजस्वी यादव से मिल कर आए हैं. महाराष्ट्र भर में घूम रहे हैं, काफी सक्रिय हैं, लेकिन वे निकट भविष्य में तेजस्वी यादव की तरह डिप्टी सीएम बन सकते हैं, सीएम नहीं.

सवाल महाविकास आघाड़ी के मुख्यमंत्री का है, ठाकरे गुट की शिवसेना का नहीं. ऐसे में अगर उद्धव ठाकरे महिला मुख्यमंत्री देने की बात उठा रहे हैं तो उनके मन में किसका खयाल है? हालांकि उन्होंने सीधे-सीधे तो महिला सीएम की बात नहीं कही है, उन्होंने कहा है कि वे शिवसेना की तरफ से एक कर्मठ मुख्यमंत्री देंगे वो कोई पुरुष भी हो सकता है और महिला भी.

राबड़ी का सीएम बनना अचानक था, रश्मि का सीएम बनना योजनाबद्ध होगा!

अगर रश्मि ठाकरे की तुलना राबड़ी देवी से करें तो जब वह सीएम बनाई गईं तो वो आकस्मिक फैसला था. लालू यादव के जेल जाने की वजह से उन्हें लालू यादव ने अपनी कुर्सी सौंप दी थी. लेकिन रश्मि ठाकरे सक्रिय राजनीति में ना होते हुए भी आदित्य को आगे करने में उनकी भूमिका रही है. जानकारों की राय में मुख्यमंत्री रहते हुए उद्धव के कई फैसलों में रश्मि ठाकरे का प्रभाव साफ तौर से दिखाई देता रहा है. यानी रश्मि ठाकरे भले ही

पर्दे के सामने आती नहीं हैं, लेकिन वे सक्रिय राजनीति से कभी पूरी तरह दूर भी जाती नहीं हैं. उद्धव के बयान को कितना सीरियसली लेने की जरूरत, हमेशा विचार रहे अस्पष्ट

यह बात तो सही है कि उद्धव ठाकरे पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं और आदित्य ठाकरे अभी युवा है. ऐसे समय में उद्धव ठाकरे महिला मुख्यमंत्री देने की बात कर रहे हैं. लेकिन उद्धव की बात को कितना सीरियसली लिया जा सकता हैं? यह भी एक बड़ा सवाल है. दूसरी बात यह है कि उद्धव स्पष्ट रूप से कभी अपनी राय नहीं रखते हैं, इस बार भी उन्होंने कहा है कि अगला मुख्यमंत्री कोई कर्मठ पुरुष भी हो सकता है और महिला भी. इससे पहले उन्होंने स्टेटमेंट दिया था कि अगला मुख्यमंत्री कोई सामान्य शिवसैनिक होगा. तो फिर पहले यह फैसला क्यों नहीं किया. जब पिछले चुनाव में मौका था.

राबड़ी देवी और रश्मि ठाकरे में तुलना जरूरी क्यों, चर्चा शुरू हुई

रश्मि ठाकरे को सक्रिय राजनीति में लाने की चर्चा यूं ही शुरू नहीं हो गई. ऐसी बातें पहले भी कही जाती रही हैं. जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे और बीमार चल रहे थे और ढाई सालों में 18 महीने तक मंत्रालय (सचिवालय) भी नहीं गए तब तत्कालीन बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील ने कहा था कि उद्धव ठाकरे तो मातोश्री से निकलते ही नहीं हैं. इससे अच्छा है कि वे रश्मि भाभी को जिम्मदारियां सौंप दें. आज के शिंदे सरकार में कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार ने भी तब उद्धव ठाकरे के स्वास्थ्य कारणों को देखते हुए यह कहा था कि रश्मि भाभी को सीएम बनाया जाए, वे भले ही पर्दे के सामने नहीं आतीं, लेकिन उनका अच्छा प्रभाव है.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार, 03 दिसंबर 2022

संपादकीय / लेख

विस्तारा और एयर इंडिया का विलय फायदे की डील कैसे?

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस और उसकी पार्टनर सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) के बीच एयर इंडिया और विस्तारा के विलय पर सहमति बन गई है, जिसकी पहले से आशा की जा रही थी। इस विलय के वित्त वर्ष 2024 में पूरा होने की आशा है और इसके बाद देश की दूसरी बड़ी एयरलाइन वजूद में आएगी। एयर इंडिया और विस्तारा का विलय टाटा ग्रुप के साथ देश की एविएशन इंडस्ट्री के लिए भी अच्छी खबर है। टाटा ग्रुप के लिए अच्छी खबर इसलिए क्योंकि वह इससे एयर इंडिया को वर्ल्ड क्लास एयरलाइन बनाने की उम्मीद कर रहा है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने यह बात कही भी। उन्होंने यह भी बताया कि दोनों एयरलाइन कंपनियों के विलय से कस्टमर सर्विस में भी बेहतरी आएगी। इसका एक फायदा यह भी हो सकता है कि एविएशन सेक्टर में प्रतिस्पर्धा बढ़े, जिससे यात्रियों को सस्ती सेवा मिलने की आशा की जा सकती है। अभी इंडिगो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी है। टाटा ग्रुप उम्मीद कर रहा होगा कि विलय के बाद इंडिगो को एयर इंडिया मजबूत टक्कर दे पाएगी। इसमें विलय की वजह से सिंगापुर एयरलाइंस की ओर से लगाई जाने वाली पूंजी से मदद मिलेगी। सिंगापुर एयरलाइंस, एयर इंडिया में 5,020 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एयर इंडिया इसका इस्तेमाल नए विमान खरीदने में कर सकती है। अभी कंपनी के पास जो विमान हैं, वे पुराने पड़ चुके हैं।

खुद टाटा ग्रुप आसानी से पूंजी जुटा सकता है। इसका मतलब यह है कि एयर इंडिया को आधुनिक बनाने में पैसा आड़े नहीं आएगा। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि विलय के बाद एयर इंडिया की मुश्किलें खत्म हो जाएंगी। पहले यह पब्लिक सेक्टर की कंपनी थी, जैसा कि अक्सर ऐसी कंपनियों में होता है, इनमें कर्मचारियों की संख्या ज्यादा है। हो सकता है कि विलय के बाद एयर इंडिया का ऑर्गनाइजेशनल स्ट्रक्चर बेहतर हो और इससे कंपनी को लागत घटाने में भी मदद मिल सकती है। एविएशन बहुत चुनौतीपूर्ण इंडस्ट्री है। ऐसे में लागत कम होने से भविष्य में एयर इंडिया के विस्तार में टाटा ग्रुप को मदद मिलेगी। दुनिया के दूसरे देशों का सबक भी बताता है कि एविएशन इंडस्ट्री में संख्या कम होने से कंपनियों के लिए कारोबारी मौके बेहतर होते हैं। भारत में पहले किंगफिशर और जेट एयरवेज जैसी कंपनियां दिवालिया होने की वजह से कारोबार से बाहर हो गई थी, जिनमें से जेट एयरवेज को फिर से रिवाइव करने की कोशिश हो रही है। इससे खासतौर पर इस क्षेत्र में बची हुई कंपनियों के लिए बेहतर मौका बना है। एयर इंडिया इसका लाभ लेने की कोशिश तो कर ही रही है, विस्तारा के साथ विलय के बाद वह विदेशी कंपनियों से भी बाजार छीनने की पहल कर सकती है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

धर्मराज्य पार्टी के अध्यक्ष राजन राजे के गंभीर आरोप...

अवैध कुएं के निर्माण और पानी की चोरी के संबंध में दर्ज आपराधिक आरोपों से इनकार

ठाणे : मजदूर नेता और धर्मराज्य पार्टी के अध्यक्ष राजन राजे ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे बेटे और मेरे खिलाफ इसलिए मामला दर्ज किया गया क्योंकि मैंने शिवसेना उद्धव बालासाहेब पार्टी के पक्षप्रमुख का समर्थन किया। उन्होंने गुरुवार को ठाणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। इस दौरान उन्होंने अवैध कुएं के निर्माण और पानी की चोरी के संबंध में दर्ज आपराधिक आरोपों से इनकार किया है। बता दें कि कुछ दिन पहले तलाठी संतोष पवार ने तोकावड़े थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत के अनुसार राजन राजे के पुत्र ऋग्वेद के खिलाफ बिना किसी सरकारी विभाग की अनुमति के मुरबाड में डोईफोडी नदी के तल में एक

कुआं बनाने का मामला दर्ज किया गया था। उसके बाद शिकायत में कहा गया कि राजन राजे ने इसी कुएं के पानी का इस्तेमाल अपने खेत के लिए किया है। लिहाजा मुकदमा दर्ज होने के करीब तीन चार दिन बाद आरोपियों की सूची में राजन राजे का नाम भी शामिल कर लिया गया। इस अपराध की जानकारी देने के लिए राजन राजे और उनके बेटे ऋग्वेद ने कल ठाणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस वार्ता में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के ठाणे जिलाप्रमुख केदार दिघे, ठाणे शहर प्रमुख प्रदीप शिंदे मौजूद थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजन राजे ने कहा कि मेरा बेटा उच्च शिक्षित है। फिर भी मैंने उसे वहां भेजा, ताकि वह खेती कर सके। लेकिन कुछ आपराधिक प्रवृत्तिवाले लोगों ने उसके खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज करा दी। कुएं का निर्माण नदी के बेसिन में नहीं है। साथ ही उसके लिए हमने सभी विभागों से विधिवत अनुमति ली थी। इसकी कॉपी हमारे पास है। शुरू में मेरे बेटे पर ठाकरे का समर्थन करने के लिए मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने सोचा कि मैं पीछे हट जाऊंगा लेकिन मैं लड़ाई लड़ रहा हूं इसलिए उसके बाद मेरे खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया।

बैंक में डाका डालकर हत्या करनेवाला पूर्व बैंक मैनेजर अब मरना चाहता

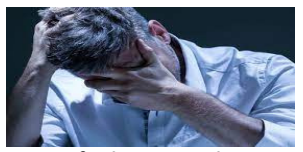

मुंबई : डेढ़ साल पहले विरार के आईसीआईसीआई बैंक में डाका डालकर हत्या करनेवाला पूर्व बैंक मैनेजर अब मरना चाहता है। दरअसल पिछले सप्ताह अदालत में पेशी के समय पुलिस को चकमा देकर आरोपी फरार हो गया था। हालांकि क्राइम ब्रांच की टीम ने ४८ घंटे में उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मैनेजर को पूछताछ के लिए क्राइम ब्रांच के लॉकअप में रखा गया था। इस दौरान आरोपी ने खुद को घायल कर खुदकुशी करने का प्रयास किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी डिप्रेशन में है। उसका कहना है कि जिनके लिए पैसा लूटने की कोशिश की, वही लोग आज उसे किनारा कर रहे हैं। वह अब जीना नहीं चाहता है।

ट्रैफिक पुलिस की मनमानी, स्कूल बसों को बंद करने की चेतावनी...

मुंबई : स्कूल बसों के लिए कोई बस स्टॉप निर्धारित न होने के कारण उन्हें ट्रैफिक पुलिस की मनमानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि बस स्टॉप पर स्कूल बस रोकते ही ट्रैफिक पुलिस फोटो निकालकर चालान काट देती है। पुलिस द्वारा की जा रही जबरन मनमानी से परेशान स्कूल बस चालकों ने पुलिस को निवेदन देकर एक महीने का समय का मांगा है। इसके बावजूद अगर किसी तरह का कोई सुधार नहीं किया गया तो राज्य भर की स्कूल बसों को बंद करने की चेतावनी दी है।

बस यूनियन के अध्यक्ष अनिल गर्ग ने बताया कि मुंबई, ठाणे, नई मुंबई सहित राज्य भर के स्कूलों में बसें चल रही हैं। इनमें सर्वाधिक बसों की संख्या मुंबई और उपनगरों में है, जिनका फायदा शहर के लाखों छात्रों को होता है। इन छात्रों को घर से स्कूल ले जाने और लाने की जिम्मेदारी इन बसों पर है। इसके बावजूद इन बसों के लिए शहर में कोई बस स्टॉप नहीं है। ऐसे में अधिकतर स्कूल बस छात्रों को लाने या ले जाते समय बस स्टॉप का इस्तेमाल करते हैं। कई बार सड़क किनारे खड़े उनके अभिभावक के पास छोड़ते हैं। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस इन बसों का फोटो निकाल कर चालान काटने की कोशिश करती है। कई बार तो सप्ताह में दो से तीन बार एक ही जगह चालान काट दिया जाता है लेकिन इसकी जानकारी बस ड्राइवर को भी नहीं होती है। जब बस मालिक को मैसेज आता है तब उन्हें इस संदर्भ में जानकारी मिलती है, जिसके कारण बस मालिकों को काफी नुकसान सहना पड़ता है। इसके लिए कई बार बस यूनियन की तरफ से स्कूल बसों के लिए स्टॉप निश्चित करने की मांग की गई है। लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इसके लिए अब बस चालक सभी पुलिस विभाग को निवेदन देकर ठोस निर्णय लेने की मांग करनेवाले हैं। इसके बावजूद कोई निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है।

बेस्ट बस से यात्रा करना अब और भी सस्ता

मुंबई : मुंबई में बेस्ट बस से यात्रा करना अब और भी सस्ता हो गया है। बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) ने नई सुपर सेवर योजनाओं की घोषणा की है। बेस्ट की 'चलो ऐप' की नई स्कीम मुंबईकरों को दैनिक टिकटों की तुलना में न्यूनतम २०₹ और अधिकतम ३४₹ छूट दे रही है। इन योजनाओं का लाभ 'बेस्ट चलो ऐप' और 'बेस्ट चलो कार्ड' दोनों पर लिया जा सकता है।

नई पेश की गई योजनाओं में १५ सवारी की पेशकश करने वाली ७-दिवसीय योजना, ६० सवारी की पेशकश करनेवाली २८-दिवसीय योजना और ५० सवारी की पेशकश करनेवाली ८४-दिवसीय योजना शामिल है। 'बस बेस्ट चलो' ऐप डाउनलोड करें और ऐप के 'बस पास' सेक्शन में नई स्कीम खोजें। अपनी पसंद की योजना का चयन करें, अपना विवरण दर्ज करें और योजना खरीदने के लिए यूपीआई, डेबिट या क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करें। बस में चढ़ने के बाद 'स्टार्ट ट्रिप' दबाएं। सत्यापन के लिए टिकट मशीन पर अपना फोन टैप करें। सत्यापन सफल होने पर, आपको ऐप पर ही अपनी यात्रा की डिजिटल रसीद मिल जाएगी। पूरा लेन-देन कैशलेस और पेपरलेस होगा!

नई योजना डिजाइन 'बेस्ट चलो कार्ड' उपयोगकर्ता कंडक्टर के माध्यम से कार्ड पर योजनाओं को लोड कर सकते हैं। नए प्लान चलो ऐप पर १ दिसंबर २०२२ से उपलब्ध होंगे। 'बेस्ट चलो कार्ड' यूजर्स ३ दिसंबर, २०२२ से कार्ड से प्लान खरीद सकेंगे। 'बेस्ट चलो ऐप' को ३० लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं ने डाउनलोड किया है और २५₹ से अधिक बस यात्री अब इसका दैनिक उपयोग करते हैं। नवंबर में बेस्ट ने एक दिन में ५ लाख डिजिटल यात्राएं दर्ज कीं, जो शहर में डिजिटल टिकटिंग की शुरूआत के बाद से अब तक का सर्वाधिक है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार, 03 दिसंबर 2022

मुंबई में सिर्फ 6 प्रतिशत साइबर अपराधों के मामले ही सुलझ सके...!

पिछले 11 महीने में हुए 3960 साइबर क्राइम...!

मुंबई : देश में साइबर अपराधों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी साइबर अपराधों के केस में काफी उछाल आया है। मुंबई में पिछले ग्यारह महीनों में साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों के 3960 मामले दर्ज किए गए हैं। हांलाकि, इन मामलों में सिर्फ 245 मामलें ही सुलझ सके। इस दौरान 395 अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। बता दें कि मुंबई में साइबर क्राइम का पता लगाने की दर लगभग छह प्रतिशत है।

कई तरीकों से साइबर अपराध को दिया जा रहा अंजाम

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पिछले ग्यारह महीनों में सिर्फ मुंबई शहर में ही विभिन्न तरीकों के 3,960 साइबर अपराध दर्ज किए गए हैं। केवाईसी अपडेट, नौकरी धोखाधड़ी, खरीद धोखाधड़ी, प्रवेश धोखाधड़ी, फजीर्वाड़ा के नाम पर लोगों से लाखों रुपये ठगे गए। इसके अलावा, वेबसाइट फ्रॉड, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, मैट्रिमोनियल फ्रॉड, क्रिप्टोक्यूरेंसी फ्रॉड, लोन शार्क ऐप फ्रॉड, क्रेडिट कार्ड अपडेट, बिजली बिलों का भुगतान, ब्लैकमेलिंग, सेक्सटॉर्शन और और अन्य चीटिंग मोड्स के जरिए साइबर क्राइम को अंजाम दिया गया।

सूत्रों के अनुसार इंटरनेट के जरिए साइबर क्राइम को अंजाम दिया जा रहा है। अपराधी तरह-तरह के आइडियाज का इस्तेमाल कर नागरिकों से ठगी कर रहे हैं। पुलिस, ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी अपराधों को रोकने के लिए जन जागरूकता पैदा कर रही है। पुलिस ने आगे जानकारी दी कि दर्ज कुल साइबर क्राइम में से गिफ्ट और कस्टम फ्रॉड के 66 मामले, ऑनलाइन खरीद के 154 मामले, बीमा कंपनी और पीएफ के 16 मामले हैं।

क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर लोगों को ठगा जा रहा

पुलिस ने आगे बताया कि फर्जी वेबसाइट्स के 47 मामले दर्ज किए गए हैं और पुलिस ने 3 मामले सुलझाए हैं। वहीं, चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने जानकारी दी कि जालसाज, निवेश के नाम पर चूना भी लगाते हैं। मुंबई में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी के 24 मामले दर्ज हैं और 4 लोगों को जेल हो चुकी है। साथ ही आजकल नागरिकों को क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर ठगा जा रहा है। क्रिप्टो में निवेश करना एक घोटाला है जो आपको अच्छा रिटर्न देगा। मुंबई में क्रिप्टोकरंसी फ्रॉड के 16 मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने तीन वारदातों को सुलझाया है और पांच लोगों को जंजीरों से बांध दिया है। बता दें कि चारकोप की एक महिला ने ऑनलाइन कपड़े ऑर्डर किए। महिला को कपड़े का ऑर्डर ना मिलने पर उसने गूगल पर एक नंबर खोजा। जालसाज ने महिला के साथ धोखाधड़ी कर उसके खाते से 93 हजार रुपये निकाल लिए। ठगे जाने का एहसास होते ही महिला चारकोप थाने पहुंची। पुलिस ने समय रहते जांच की और फर्जी रकम बरामद कर ली।

395 लोगों को किया जा चुका है गिरफ्तार

साइबर क्राइम की बात करें तो मुंबई के वेस्ट डिवीजन में 1400, नॉर्थ डिवीजन में 500, सेंट्रल डिवीजन में 746, ईस्टर्न डिवीजन में 477 और साइबर में 204 मामले दर्ज हैं। कुल 3960 साइबर अपराध दर्ज किए गए हैं और पुलिस ने 243 मामलों को सुलझाया है और विदेशी नागरिकों सहित 395 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मुंबई में टैटू की मदद से 14 साल से फरार महिला गिरफ्तार

मुंबई : आरएके मार्ग पुलिस ने करीब 14 वर्षों से फरार एक 39 वर्षीय महिला को गिरफ्तार करने के लिए पोस्टमैन और स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (एसआरए) के कर्मचारी का गेटअप बदला था। पुलिस को यह सफलता महिला के हाथ पर बने 'ओम' टैटू की मदद से मिली है। आरोपी की पहचान मंजुला देवेंद्र के रूप में की गई है। इसके खिलाफ 2008 के दौरान शिवडी पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज था। हालांकि जमानत मिलने के बाद से यह फरार थी।

आरएके मार्ग पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक महेश लामखेडे ने बताया कि मंजुला देवेंद्र, 2008 में शिवडी की एक एयर-कंडीशनर मैनुफैक्चर कंपनी में बतौर अकाउंटेंट काम करती थी। इस पर आरोप है कि इसने कंपनी का एक ब्लैंक चेक चुरा लिया, बाद में उस चेक की मदद से इसने बैंक से 45 हजार रूपए नकद निकाला था। उस समय शिवडी पुलिस ने इसे गिरफ्तार किया था और कुछ दिनों के बाद यह जमानत पर रिहा होते ही फरार हो गई।

इसकी गिरफ्तारी के लिए हमने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कुमुद कदम और पुलिस निरीक्षक (क्राइम) लीलाधर पाटिल के मार्गदर्शन में जांच शुरू की। महिला तमिल है, हमने तमिल लोगों के रहने के विभिन्न स्थानों की पहचान की और जैसे सायन, एंटॉप हिल, नेहरू नगर और अमर महल जंक्शन के क्षेत्रों की जांच की, हमें कई मंजुला मिली, लेकिन उनमें से किसी के हाथ पर टैटू नहीं था जो की मंजुला की पहचान का निशान था।

पुलिस वाले बने एसआरए कर्मचारी...

एसआरए कर्मचारी बनकर चॉल में डोर-टू-डोर सर्वे करने का नाटक किया और उसका मोबाइल नंबर हासिल किया और पोस्टमैन बनकर घर के कागजात देने के बहाने जाल बिछाकर उसे पकड़ लिया गया। 14 वर्ष पहले इसका नाम मंजुला देवेंद्र था और रिहा होने के बाद इसने अपना नाम बदलकर मंजू नायर रख लिया था और अपना आवासीय पता बदलती रही, जिसकी वजह से यह पुलिस की पकड़ से दूर थी।

बिजली कंपनी का अधिकारी नागपुर में गिरफ्तार...

पुलिस को पत्र भेजकर बम विस्फोट की दी थी धमकी

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के एक अधिकारी को नागपुर से गिरफ्तार किया गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नवीनचंद्र रेड्डी ने इसके बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड में उप कार्यकारी अभियंता पर शहर के रेशिमबाग इलाके में डॉ हेडगेवार स्मारक के पास स्थित एक सभागार में बम विस्फोट करने की धमकी देने का आरोप है। इस मामले में गुरुवार को उसे गिरफ्तार किया गया है। तिरिक्त पुलिस आयुक्त नवीनचंद्र रेड्डी ने बताया कि आरोपी अधिकारी ने पिछले सप्ताह सक्करदरा पुलिस स्टेशन को एक पत्र भेजा था। जिसमें उसने सभागार में बम विस्फोट की धमकी दी थी। उन्होंने यह भी

बताया कि पूछताछ में खुलासा हुआ है कि इसके पीछे उसका मकसद ऑडिटोरियम में पहले से निर्धारित एमएसईडीसीएल के एक कार्यक्रम को रोकना था। उन्होंने बताया कि पत्र मिलने के बाद सक्करदरा पुलिस हरकत में आ गई और मामले में जांच शुरू की। जांच के क्रम में उस डाकघर के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई, जहां से पत्र भेजा गया था। इस तरह सीसीटीवी फुटेज की मदद से और वाहन के पंजीकरण नंबर के आधार पर उस व्यक्ति की पहचान की गई। इसके बाद आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। रेड्डी ने कहा कि जांच के दौरान यह बात सामने आई कि उसने हॉल में एमएसईडीसीएल के एक कार्यक्रम को विफल करने के लिए धमकी भरा पत्र लिखा था। गौरतलब है कि डॉ हेडगेवार स्मृति भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने स्वयंसेवकों के लिए वार्षिक संघ शिक्षा वर्ग या प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है।

नागपुर जेल में कैदियों के दो समूह आपस में भिड़े, हत्या का आरोपी गंभीर रूप से घायल

महाराष्ट्र : नागपुर सेंट्रल जेल में कैदियों के दो समूह आपस में भिड़ गए, जिसमें हत्या का एक आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह जानकारी एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को दी। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार को हुई और गंभीर रूप से घायल कैदी की पहचान रजत पाली के रूप में हुई है, जो 2017 में पचपौली इलाके में गौरव दरवाडे की हत्या का आरोपी है। अधिकारी ने कहा, ''पाली को उसकी मुकदमे की सुनवाई के लिए अदालत ले जाया गया और वापस जेल परिसर में लाया गया। उस समय जेल के प्रतीक्षालय में बैठे कैदियों के एक समूह ने उसके और उसके सहयोगियों के साथ बहस की। पाली के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' उन्होंने

कहा कि जेल प्रहरियों द्वारा स्थिति को नियंत्रण में लाया गया और धंतोली पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 326 (खतरनाक हथियारों या साधनों से स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार, 03 दिसंबर 2022

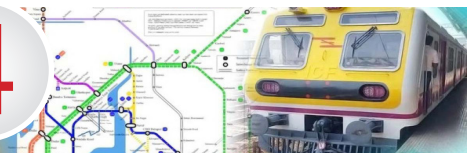

राकांपा नेता का दावा...

दक्षिण महाराष्ट्र के कई गांवों ने की गुजरात में विलय की मांग, कम विकास का आरोप लगाया

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के एक स्थानीय नेता शुक्रवार को दावा किया कि उत्तरी महाराष्ट्र के नासिक जिले के कुछ गांवों ने मांग की है कि उन्हें गुजरात में शामिल किया जाना चाहिए। एनसीपी नेता के मुताबिक, सरकार की उदासीनता और कम विकास के कारण लोग यह मांग कर रहे हैं।

यह मांग ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने यह दावा करते हुए विवाद खड़ा किया है कि दक्षिण महाराष्ट्र के जाट तहसील के कुछ गांव कर्नाटक में अपना विलय चाहते हैं। एनसीपी के सुरगना तालुका प्रमुख चिंतमन गावित ने कहा, आजादी के 75 वर्षों के बाद भी कई गांवों में बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। अगर आप इनका विकास नहीं कर सकते हैं तो उनका गुजरात में विलय कर दीजिए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने 30 नवंबर को तहसीलदार सचिन मुलिक को एक ज्ञापन भी भेजा है।

उन्होंने आगे कहा, इस मांग का किसी राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं है। सुभाष नगर, डोलारे, अलानगुन और कथिपडा गांवों के निवासी एकजुट होकर यह मांग कर रहे हैं। इसी तरह अन्य गांव भी हैं। गुजरात के धरमपुर तालुका यहां से मात्र 15 किलोमीटर और वसदा 10 किलोमीटर दूर है। हम लगातार वहां जाते हैं और हम वर्षों से विकास के अंतर को देख रहे हैं।

गावित ने दावा कि उन्हें नंदुपुर जिले के धडगांव और नवापुर गांवों से भी फोन कॉल आए हैं और अपने गुजरात में विलय की मांग उठाई है। नासिक और नंदुरबार जिलों के सीमावर्ती क्षेत्र मुख्य रूप से आदिवासी हैं। राकांपा नेता ने कहा, हमने चार दिसंबर को पंगरने गांव में एक बैठक बुलाई है, जहां आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में अच्छी सड़कें, बिजली आपूर्ति, पानी और परिवहन की सुविधाएं हैं।

उन्होंने कहा, महाराष्ट्र की तरफ अच्छी सड़कें नहीं हैं, 24७7 बिजली नहीं है और लोगों को हर साल पानी की कमी का सामना करना पड़ता। कोई सिंचाई परियोजना नहीं है। नतीजतन, खेती पूरी तरह से मानसून पर निर्भर करती है। लोग वर्षों से आजीविका के लिए पलायन कर रहे हैं। तहसीलदार को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि महाराष्ट्र सरकार को या तो विकास की कमी को पूरा करना चाहिए या इन गांवों को गुजरात में विलय करने की अनुमति देनी चाहिए।

गावित ने कहा, पानी की कमी हमारी मुख्य समस्या है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हमारे तालुका में केवल एक फीसदी सिंचाई है। बोरगांव बांध को छोड़कर कोई बड़ी परियोजना नहीं है। लोग मानसून में खेती करते हैं और आजीविका कमाने के लिए निफाड़, चंदवाड़ और पिंपलगांव जैसी जगहों के लिए निकल जाते हैं। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की कमी एक और मुद्दा है। 1971 में तत्कालीन सांसद हरिभाऊ महाले ने तीस बिस्तरों वाले ग्रामीण अस्पताल का उद्घाटन किया था। तबसे वहीं क्षमता बनी हुई है। न डॉक्टर हैं, न नर्स हैं और स्थिति दयनीय है। इसके विपरीत, गुजरात के वास्डा तालुका के धरमपुर में अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लो-वोल्टेज बिजली आपूर्ति के कारण लोग अपने सिंचाई पंप भी नहीं चला सकते हैं और मानसून में लगातार आठ दिनों तक बिजली नहीं आती है।

डोंबिवली में दमकल कर्मियों की सतर्कता से बची युवक की जान...!

कल्याण : कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के दमकलकर्मियों की तत्परता और बहादुरी के चलते 12 वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने वाले युवक की जान बच गयी। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की रात करीब आठ बजे डोंबिवली ईस्ट के लोढ़ा कॉम्प्लेक्स स्थित आर्किड एल बिल्डिंग का एक युवक 12 वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने जा रहा था। इस घटना के संबंध में पलावा फायर स्टेशन में फोन आने के बाद दमकल कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और उदास बैठे अनिकेत को पता चलता उससे पहले उस क्षेत्र में पहुंचकर उसे 12 वीं मंजिल की अर्धखुली छत से सुरक्षित बचा लिया और संभावित हादसा टल गया। जिसके बाद उपस्थित लोगों ने राहत की सांस ली। दमकल विभाग के अधिकारी सुधीर दुशिंग ने बताया कि पुलिस ने उक्त युवक को हिरासत में लिया है और पूछताछ की जा रही हैं, आत्महत्या करने जा रहे युवक की जान बचाने में फायर स्टेशन के अधिकारी सुधीर दुशिंग, विकास चव्हाण, सुरेश गायकर ने पूरी कोशिश की। इसी बिल्डिंग में 27 वर्षीय युवक किराएदार के रूप में रहता था। नौकरी चली गई थी। पत्नी को छोड़ने के बाद से वह डिप्रेशन में चल रहा था, वह शराब का आदी था। पुलिस जांच में ही पता चलेगा कि वास्तव में हुआ क्या था।

रितेश-जेनेलिया की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

116 करोड़ के लोन मामले की होगी जांच...

मुंबई : बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख और एक्ट्रेस जेनेलिया देशमुख एक बार फिर मुश्किल में फंस सकते है। रितेश और जेनेलिया की लातूर में एक एग्रो-प्रोसेसिंग कंपनी है, अब इसी कंपनी की वजह से यह कपल मुश्किल में फंस सकता है। दरअसल, इस कंपनी के जांच के आदेश दिए गए है।

महाराष्ट्र के मंत्री अतुल सावे ने कहा है कि रितेश और जेनेलिया को उनकी कंपनी के लिए 116 करोड़ का जो लोन दिया गया। वहीं, अब इसी लोन को लेकर जांच की जाएगी। जांच में देखा जाएगा कि रितेश और जेनेलिया को को लोन देने में कोऑपरेटिव बैंकों ने अपनी तरफ से कोई अनियमितता तो नहीं की है।

बता दें कि, कुछ दिनों पहले लातूर में कुछ बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया था कि, रितेश और जेनेलिया को उनकी कंपनी देश एग्रो प्राइवेट लिमिटेड को लोन देने में सहकारी बैंकों की तरफ से अनियमितता बरती गई। वहीं, इस कपल की कंपनी को पिछली महाविकास आघाडी सरकार के दौरान MIDC यानी महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम का प्लॉट मिला था। रितेश और जेनेलिया की कंपनी ने 4 अक्टूबर, 2021 को पंढरपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक में लोन के लिए आवेदन किया था। वहीं, बैंक ने 27 अक्टूबर को 4 करोड़ रुपये के लोन को मंजूरी दे दी। इसके बाद इस कपल ने लातूर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक से 61 करोड़ रुपये के लोन के लिए अप्लाई किया। यह एप्लिकेशन भी 27 अक्टूबर को मंजूर कर ली गई थी। वहीं, इसके बाद इस बैंक से इस कपल की कंपनी को 25 जुलाई 2022 को 55 करोड़ का लोन मिला था। अतुल सावे ने बताया कि, बीजेपी के लातूर जिला अध्यक्ष गुरुनाथ मागे ने इस मामले के संबंध में एक पत्र लिखा था। लेकिन उन्हें टक्कड प्लॉट के बारे में कुछ पता नहीं था। इसी बारे में पता लगाने के लिए जांच का आदेश दिया है कि कहीं बैंकों की ओर से तो कोई अनियमितता नहीं की गई।

लोकल ट्रेन में महिला ने दिया बच्चे को जन्म

महिला पुलिस कर्मियों ने कराई डिलीवरी...

मुंबईः महाराष्ट्र के कसारा से मुंबई जा रही एक महिला ने लोकल ट्रेन में ही बच्चे को जन्म दे दिया। इस दौरान महिला यात्रियों और महिला कॉन्स्टेबल ने सहयोग किया। पुलिस का कहना है कि मां और नवजात दोनों ही स्वस्थ हैं। उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखने के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। सेंट्रल रेलवे के टिटवाला रेलवे स्टेशन पर कसारा से मुंबई जा रही लोकल ट्रेन में यात्रा करने के दौरान एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया। इस दौरान महिला यात्रियों और फीमेल कॉन्स्टेबल ने काफी सहयोग किया। इस संबंध में टिटवाला लोहमार्ग पुलिस ने बताया कि मां और बच्चा दोनों ही पूरी तरफ स्वस्थ हैं।

पुलिस का कहना है कि दोनों को डॉक्टरों की निगरानी में रखने के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, प्रीति वाकचौरे शहापुर तालुका के आटगाव इलाके में रहती हैं। वह शुक्रवार की सुबह आटगाव रेलवे स्टेशन से लोकल ट्रेन में सवार होकर कसारा से मुंबई जा रही थीं, जहां उन्हें मेडिकल परामर्श लेना था। इसी बीच मुंबई की तरफ लोकल ट्रेन से हॉस्पिटल जाते समय टिटवाला रेलवे स्टेशन पर अचानकर प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। उसी दौरान महिला कोच में सवार महिला यात्रियों ने फौरन इसकी सूचना रेलवे पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही तुरंत महिला जीआरपी और आरपीएफ मौके पर पहुंची। इसके बाद महिला यात्रियों और महिला पुलिस कर्मियों के सहयोग से डिलीवरी कराई गई। इस दौरान टिटवाला स्टेशन पर मदद में जुटे पुलिस स्टाफ की भागदौड़ सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बता दें कि इस मामले को लेकर पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नवजात की हालत स्थिर है। मां और बच्चा दोनों ही पूरी तरह स्वस्थ हैं। दोनों को डॉक्टरों की निगरानी में रखने के लिए प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com